

जबसे मैया जी तेरा द्वार मिला भजन लिरिक्स



जबसे मैया जी तेरा द्वार मिला,
खिला खिला खिला मेरा मन खिला,
चरणों का तेरे मैंने अमृत पिया,
जब से मैया जी तेरा द्वार मिला,
खिला खिला खिला मेरा मन खिला।bd।

तर्ज - तुने ओ रंगीले कैसा ।
ये भी देखे - दर दर का भटकना छूट गया ।

सबको बताऊँ मैं हर्षाऊँ,
माँ ने बदल डाली दुनिया,
गले से लगाया मुझे दिखलाया,
मतलब की ये दुनिया,
दर पे बुला के खूब दिया,
जब से मैया जी तेरा द्वार मिला,
खिला खिला खिला मेरा मन खिला।bd।

जब मेरी मैया पकड़े हैं बड़ियाँ,
आए नहीं दुख जीवन में,
जब लहराए चुनरी की छड़ियाँ,
रहे नहीं कोई संकट में,
सर को झुका मैंने वंदन किया,
जब से मैया जी तेरा द्वार मिला,
खिला खिला खिला मेरा मन खिला।bd।

मेरी हर सांसे नाम है तेरे,
जैसे चला ले मुझको,
मन में मेरे भाव बहुत है,
पढ़ना होगा तुझको,
'स्मिता' पे तूने जादू किया,
जब से मैया जी तेरा द्वार मिला,
खिला खिला खिला मेरा मन खिला।bd।

जबसे मैया जी तेरा द्वार मिला,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो ~~खिला खिला खिला मेरा मन खिला~~ में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



चरणों का तेरे मैंने अमृत पिया,
जब से मैया जी तेरा द्वार मिला,
खिला खिला खिला मेरा मन खिला।bd।

Singer – Situ Rajasthani
Lyrics – Smita Sharma
